स्वर प्रवाह

# राजस्थान

सरस्वती नदी का साक्षी रहा है। यह मात्र नदी नहीं थी बल्कि वाग्देवी का सरल-तरल स्वरूप था और जहां सरस्वती का प्रवाह रहा हो वहां ललित कलाओं का प्रस्फुटन होना स्वाभाविक था। यही कारण है कि राजस्थान प्राचीनकाल से ही विविध कलाओं का समृद्ध संवाहक रहा है। रियासत काल में यहां रियासतों के अपने-अपने गुणीजनखाने थे जहां कलाकार अपने हुनर का इतिहास रचते वहीं कलाएं भी उत्तरोत्तर निखार पातीं। जयपुर रियासत में तो कलाओं के संरक्षण-संवर्धन के लिए छत्तीस कारखाने संचालित थे जहां कलाओं के नितनूतन आयाम उद्घाटित होते रहते थे। कलाकारों के हुनर को सम्मानित किया जाता। यही कारण था कि कई कलाकारों को यथोचित सम्मान के अलावा जागीरें प्रदान की गईं और कुछ को पालकी सवारी की शाही व्यवस्था थी।

ललित कलाओं में संगीत का महत्वपूर्ण स्थान है तथा संगीत के क्षेत्र में जयपुर का समूचे भारत में अपना स्थान और मुकाम रहा है। यहां शास्त्रीय गायन की प्राचीन शैली ध्रुवपद की धारा अविरल रूप से प्रवाहित रही तथा ख्यातनाम ध्रुवपद गायकों ने जयपुर के अलावा देश-विदेश में अपनी गायकी की कीर्ति पताका फहराई। जयपुर में बहरामखां डागर की चौखट है वहीं संगीतकारों से जुड़ी मथुरावालों की हवेली का भी अपना एक इतिहास रहा है। जयपुर की खयाल गायकी और उसका घराना देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। जयपुर के खयाल गायकी घराने में दिग्गज कलाकार हुए और अपनी गायकी के माधुर्य के सम्मोहन से संगीताकाश में नक्षत्र की तरह प्रभासित रहे।

नृत्य जगत में जयपुर के कथक घराने का अपना वैशिष्ट्य है। इस घराने के कथक नर्तकों की एक लम्बी सूची है और आज भी इस घराने की परम्परा के नामचीन नर्तक इसको प्रवहमान बनाए हुए हैं। ख्यातनाम कलाकारों के अलावा मेधावी युवा नर्तकों की भी एक लम्बी श्रृंखला हमें गौरवान्वित करती है। कथक की तरह यहां अनेक ख्यातनाम बीनकार, सितारिये, पखावज एवं तबलावादक तथा तंत्रीवादकों ने अपने वादन का जादू जगाया और संगीत संस्थाओं ने नए सुरों को तराशने का कार्य किया। जयपुर का तमासा, संगीतमयी गालीबाजी, लोकसंगीत, आस्थामूलक परिक्रमाएं, हेला ख्याल और न जाने संगीत की कैसी-कैसी विधाएं, परम्पराएं और आयोजन होते रहे हैं जो जयपुर को एक विशिष्ट पहचान देते रहे हैं। जयपुर की इस समृद्ध सांगीतिक विरासत के संक्षिप्त स्वरूप से पाठकों को रूबरू कराने के लिए 'स्वर सरिता' का यह अंक जयपुर पर केन्द्रित किया गया है। आशा है यह पाठकों को पसंद आएगा। नववर्ष की शुभकामनाओं सहित यह अंक आपके हाथों में...